INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: 8th (3rd Lang)	**Department: Hindi**	**Date :3/8/22**
Q.-Ans. & Grammar	**Topic:** मातृभाषा की पहचान	**Note: Pl. Check with Class Work**

अति लघु प्रश्न-उत्तर

प्रश्न-1- राजा कृष्णदेव राय को किस बात पर गर्व था?

उत्तर- राजा कृष्णदेव राय को अपने दरबारियों की योग्यता और विद्वता पर गर्व था।

प्रश्न-2- राजा कृष्णदेव राय ने प्रश्नवाचक मुद्रा में किसकी तरफ देखा?

उत्तर- राजा कृष्णदेव राय ने प्रश्नवाचक मुद्रा में तेनालीरामन की तरफ देखा।

प्रश्न-3- विद्वान ब्राहमण क्या कर रहे थे ?

उत्तर- विद्वान ब्राहमण विश्राम कर रहे थे।

प्रश्न-4- ब्राहमण की मातृभाषा का पता लगाने के लिए तेनाली रामन ने कितने दिन का समय माँगा?

उत्तर- ब्राहमण की मातृभाषा का पता लगाने के लिए तेनालीरामन ने तीन दिन का समय माँगा।

लघु लघु प्रश्न-उत्तर

प्रश्न-5- अतिथि ब्राहमण के मुख से तेनाली रामन की प्रशंसा सुनकर राजा ने क्या किया?

उत्तर- अतिथि ब्राहमण के मुख से तेनाली रामन की प्रशंसा सुनकर राजा ने अपने गले की मोतियों की माला तेनालीरामन को पहना दी।

प्रश्न-6- ब्राहमण तेनालीरामन को गले लगाते हुए क्या बोले?

उत्तर- ब्राहमण तेनालीरामन को गले लगाते हुए बोले- "आप धन्य है तेनाली रामन! आप वास्तव में कृष्णदेव राय के दरबार के बेशकीमती रत्न हैं।"

प्रश्न-7- ब्राहमण ने कृष्णदेव राय से क्या बताने का आग्रह किया?

उत्तर- ब्राहमण ने कृष्णदेव राय से पूछा कि आपके दरबारियों में से कोई बता सकता है कि मेरी मातृभाषा कौन सी है?

प्रश्न-8-दरबारी, ब्राहमण की मातृभाषा की पहचान क्यों नहीं कर पाए?

उत्तर- ब्राहमण मराठी, कोंकणी, तमिल, कन्नड़, मलयालम सभी भाषाओं में बोलते थे, इसलिए दरबारी ब्राहमण की मातृभाषा की पहचान नहीं कर पाए।

दीर्घ लघु प्रश्न-उत्तर

प्रश्न9- तेनालीरामन ने ब्राहमण की मातृभाषा का पता कैसे लगाया?

उत्तर- तेनालीराम ने पैर दबाने के बहाने ब्राहमण के पाँव में काँटा चुभा दिया। ब्राहमण दर्द से चीखे और तमिल भाषा में अम्मा-अम्मा पुकारने लगे। इस घटना से उन्होंने पता लगाया कि उनकी मातृभाषा तमिल है।

प्रश्न10- तेनालीरामन ने ब्राहमण से किस बात के लिए क्षमा माँगी?

उत्तर- तेनालीरामन ने ब्राहमण के पैर में काँटा चुभा दिया। वे दर्द के कारण अम्मा-अम्मा पुकारने लगे। तेनालीरामन ने काँटा चुभा कर जो अपराध किया था उसके लिए उन्होंने क्षमा माँगी ।

भाववाचक संज्ञा

परिभाषा: जो शब्द किसी चीज़ या पदार्थ की अवस्था, दशा या भाव का बोध कराते हैं, उन शब्दों को **भाववाचक संज्ञा** कहते हैं।

जैसे- बचपन, बुढ़ापा, मिठास, उमंग, चढ़ाई, मानवता, आदि।

प्रश्न- दिए गए शब्दों के भाववाचक संज्ञा बनाइए |

1-मनुष्य = मनुष्यता

2-मित्र = मित्रता

3-बच्चा = बचपन

4-शत्रु = शत्रुता

5- पढ़ना = पढ़ाई

6- रोना = रुलाई

7- लड़ना = लड़ाई

8- चलना = चाल

9- स्व = स्वत्व

10- पराया = परायापन

11- अपना = अपनापन

12- निज = निजत्व

13- अच्छा = अच्छाई

14- सुंदर = सुंदरता

15- शीतल = शीतलता

16- सफल = सफलता

सर्वनाम (Pronoun)

परिभाषा-जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।

सरल शब्दों में- सर्व (सब) नामों (संज्ञाओं) के बदले जो शब्द आते हैं, उन्हें 'सर्वनाम' कहते हैं।

सर्वनाम यानी सबके लिए नाम। जैसे- मैं, तू, तुम, वह, आप, कोई, यह, ये, वे, हम, कुछ, कौन, क्या, जो, सो, उसका आदि सर्वनाम शब्द हैं।

सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के छ: भेद होते हैं -

(1)पुरुषवाचक सर्वनाम (Personal pronoun)

(2)निश्चयवाचक सर्वनाम (Demonstrative pronoun)

(3)अनिश्चयवाचक सर्वनाम (Indefinite pronoun)

(4)संबंधवाचक सर्वनाम (Relative Pronoun)

(5)प्रश्नवाचक सर्वनाम (Interrogative Pronoun)

(6)निजवाचक सर्वनाम (Reflexive Pronoun)

प्रश्न- दिए गए वाक्यों में से सर्वनाम छाँटकर अलग कीजिए|

1-**मैं** स्कूल जाऊँगा।

2-**हम** मतदान नहीं करेंगे।

3-**यह** कविता **मैंने** लिखी है।

4-बारिश में **हमारी** पुस्तकें भीग गई।

5-**मैंने उसे** धोखा नहीं दिया।

6-**तुम्हारे** पिता जी **क्या** काम करते हैं?

7-**तुमसे कुछ** काम है।

8-उन्होंने कमर कस ली है।

9-**वह** कल विद्यालय नहीं आया था।

10-**उन्हें** रोको मत, जाने दो।

11-**उसका** छोटा भाई आया है।

12-किशोर बाज़ार गया था, **वह** लौट आया है।

13-मोहन! आज **कोई तुमसे** मिलने आया था।

14-पानी में **कुछ** गिर गया है।

15-**जैसा** करोगे, **वैसा** भरोगे।

16-टोकरी में **क्या** रखा है?

17-बाहर **कौन** खड़ा है?

18-**वे** कल दफ़्तर नहीं गए थे।

प्रश्न-नीचे लिखे वाक्यों के खाली स्थानों में कोष्ठक में दिए गए सर्वनामों के यौगिक रूपों को भरें|

1. ...**उस**... लड़के का व्यवहार बहुत अच्छा नहीं है। (वह)
2. क्या **मैं** ...आपका... नाम और पता जान सकता हूँ? (आप)
3. ...**मैंने**... आपका नमक खाया है, गद्दारी कैसे करूँगा। (मैं)
4. –**मुझे** - लगता है कि वह स्टेशन पर ही ठहर गया है। (मैं)
5. ......**आपको**... इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा; बस, मैं गया और आया। (आप)
6. वही ...**तुम्हें ..** बहका रहा होगा । (तुम)
7. इस संकट की घड़ी में ...**मुझे .** साथ होना चाहिए। (मैं)
8. परीक्षा से पहले ...**तुम्हें**... ठीक से तैयारी कर लेनी चाहिए। (तुम)
9. ...**तुम्हारे** .... वकील का क्या कहना है? (तुम)
10. जोश की बात सुनते ही ...**उसकी ..** भुजा फड़कने लगी। (वह)
11. ...**उससे** .... कह देना कि अब ...**उसके** .... ताऊ नहीं रहे। (वह)
12. आज मैं ......**अपने** ... घर ही खाऊँगा। (आप)

कारक (Case)

परिभाषा- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उनका (संज्ञा या सर्वनाम का) संबंध सूचित हो, उसे (उस रूप को) 'कारक' कहते हैं।

दूसरे शब्दों में- संज्ञा अथवा सर्वनाम को क्रिया से जोड़ने वाले चिह्न अथवा परसर्ग ही कारक कहलाते हैं। जैसे - "रामचंद्र जी **ने** खारे जल **के** समुद्र पर बंदरों **से** पुल बँधवा दिया।"

प्रश्न- दिए गए वाक्यों में से कारक छाँटकर अलग कीजिए |

1- मोहन **ने** नारद **को** देखा और मुस्करा दिया।

2- बच्चे गाड़ियों **से** खेल रहे हैं।

3- पिताजी बच्चों **के लिए** मिठाई लाए।

4- साँप बिल **से** बाहर निकला।

5- बच्चे **का** सिर दुःख रहा है।

6 - मोहन सोहन **के** घर गया |

7- यह सुनील **की** किताब है।

8- फ्रिज **में** आम रखा हुआ है।

9 - किताब मेज **पर** रखी है |

10- **अरे बच्चों!** शोर मत करो।

प्रश्न- रिक्त स्थानों पर उचित कारक चिह्न भरिए |

1- रामू ---**ने** -- अपने बच्चों –**को** -- मिठाई खिलाई ।

2- पत्र –**को** -- कलम –**से--** लिखा गया है।

3- माँ अपने बच्चे ----**के लिए** --- दूध लेकर आई।

4- पृथ्वी सूर्य ---**से** --- बहुत दूर है।

5- आसमान ---**से** --- बिजली गिरती है।

6- यह सुरेश ---**की** -- बहन है।

7- यह नरेश ---**का** --- भाई है।

8- राहुल ---**के** --- पिता जी दिल्ली गए हैं|

9- --**हे --- भगवान !** बहुत बुरा हुआ।

----धन्यवाद ----